Eklavya University

Bachelor of Art

(Sociology)

Session 2022-23 (से लागू)

II Year

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय

कार्यक्रमः डिप्लोमा पाठ्यक्रम	कक्षाः बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्षः द्वितीय	सत्र : 2022–23

विषय : समाजशास्त्र

1.	पाठ्यक्रम का कोड	EUA2-SOCI-1T
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक शोध की मूलभूत अवधारणाएँ, प्रथम प्रश्न–पत्र
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / .....)	मूल पाठ्यक्रम (Core Course)
4.	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	यह एक अनिवार्य प्रश्न–पत्र है, जो कि बी.ए. द्वितीय वर्ष के उन सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने बी.ए. प्रथम वर्ष में समाजशास्त्र के कोर (मूल) प्रश्न–पत्र पढ़े हैं।
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	यह प्रश्न–पत्र विद्यार्थियों को शोध अंतर्ज्ञान विकसित करने में सहायता करेगा! इस प्रश्न–पत्र के माध्यम से उन्हें वैज्ञानिक पद्धति की प्रकृति तथा मूल्य तटस्थता को प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी प्राप्त होगी। 1. यह प्रश्न–पत्र विद्यार्थियों को यथार्थ के महत्व तथा वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने के तरीकों के बारे में शिक्षा देगा। 2. यह उनमें पठन, लेखन तथा तर्क करने की दक्षता विकसित करेगा। 3. इस प्रश्न–पत्र का अभिकल्पन विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटनाओ के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराएगा

		इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों द्वारा संचालित अकादमिक, आधारभूत एवं नीति सम्बन्धी शोध परियोजनाओं में रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त होंगे।	
6.	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक– 6	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30 + 70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या – ट्यूटोरियल–प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : 6 L-T-P: 4-0-0

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान की कुल संख्या
प्रथम	**सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण** 1. भारत में सामाजिक शोध का उदभव 2. वैज्ञानिक पद्धति की अवधारणा 3. अन्तरानुशासनात्मक अभिगम 4. सामाजिक शोध व प्रकृति 4.1 अवधारणा एवं उद्देश्य 4.2 प्रकार 4.3 सामाजिक शोध के चरण 4.4 महत्व 5. सामाजिक सर्वेक्षण 5.1 अवधारणा व महत्व 5.2 प्रकार	18

	5.3 सामाजिक शोध एवं सामाजिक सर्वेक्षण में अतंर 6. उपकल्पना 6.1 अवधारणा 6.2 उपकल्पना के स्त्रोत 6.3 उपकल्पना के निर्माण की कठिनाइयाँ 6.4 महत्व 7. भारत के प्रमुख सामाजिक शोध एंवं सर्वेक्षण संस्थान 7.1 सामाजिक शोध के नवीन आयाम	
सार बिन्दु : सामाजिक शोध, वैज्ञानिक पद्धति, सामाजिक सर्वेक्षण, उपकल्पना, अन्तरआनुशासनात्मक अभिगम।		
द्वितीय	**समंक संकलन के स्त्रोत एवं विधियाँ** 1. समंक 1.1 अवधारणा व महत्व 1.2 प्रकार 1.3 स्त्रोतः प्राथमिक एवं द्वितीयक 2. तथ्य संकलन की विधियाँ एवं प्रविधियाँ 2.1 संगणना पद्धतिः अवधारणा 2.2 निदर्शन पद्धति 2.2.1 अवधारणा 2.2.2 निदर्शन के प्रकार 2.2.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 3. प्रश्नावली 3.1 अवधारणा व विशेषताएं 3.2 प्रकार	18

	3.3 प्रश्नावली निर्माण 3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ 4. अनुसूची 4.1 अवधारणा 4.2 प्रकार 4.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 4.4 प्रश्नावली एवं अनुसूची में अंतर	
सार बिन्दु : समंक, संगणना पद्धति, निदर्शन, प्रश्नावली, साक्षात्कार अनुसूची।		
तृतीय	**समंक संकलन की विधियाँ एवं प्रविधियाँ** 1. अवलोकन 1.1 अवधारणा 1.2 प्रकार 1.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 2. साक्षात्कार 2.1 अवधारणा 2.2 प्रकार 2.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 3. वैयक्तिक अध्ययन पद्धति 3.1 अवधारणा 3.2 आधारभूत मान्यताएँ 3.3 वैयक्तिक अध्ययन पद्धति के यंत्र एवं विधियाँ 3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ 4. समाजमिति 4.1 अवधारणा 4.2 इतिहास 4.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 5. अंतर्वस्तु विश्लेषण 5.1 अवधारणा	18
सार बिंदु : अवलोकन, साक्षात्कार, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति, समाजमिति, अंतर्वस्तु विश्लेषण।		

चतुर्थ	**समंक का विश्लेषण एवं व्याख्या** 1. वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता और वैधता की अवधारणा 2. संपादन, संकेतन एवं वर्गीकरण की अवधारणा 3. सारणीयन 3.1 अवधारणा 3.2 सारणीयन के नियम 3.3 सारणीयन के प्रकार 3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ 4. प्रतिवेदन लेखन 4.1 अवधारणा 4.2 प्रतिवेदन लेखन की अन्तर्वस्तु एवं चरण 4.3 प्रतिवेदन लेखन की समस्याएँ 4.4 महत्व	18
सार बिन्दु : वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता, वैधता, संकेतन, वर्गीकरण, सारणीयन, प्रतिवेदन लेखन।		

पंचम	**समाजिक शोध में सांख्यिकी का प्रयोग** 1. सांख्यिकी की अवधारणा 2. सामाजिक शोध में सांख्यिकी की उपयोगिता एवं सीमाएँ 3. केंद्रीय प्रवृत्ति की माप 3.1 अवधारणा 3.2 महत्व 4. माध्य, मध्यिका एवं बहुलक 4.1 अवधारणा 4.2 गणना 4.3 व्यावहारिक उपयोग 4.4 गुण एवं दोष 5. समंक का चित्रमय प्रदर्शन 5.1 चित्र रचना के नियम 5.2 चित्रों के प्रकार 5.3 चित्रों की उपयोगिता एवं सीमाएँ 6. सामाजिक शोध में कम्प्यूटर का उपयोग 7. एस.पी.एस.एस. (SPSS) – परिचय	18

सार बिंदु : सांख्यिकी, चित्र, माध्य, मध्यिका, बहुलक, एस.पी.एस.एस.।

भाग स– अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Bajpai, S.R., Social Research and Survey, (4th Edition), Kitab Ghar, New Delhi, India

2. Bhandrakar, P.L. and Wilkinson,T.S. (2003) Methodology and Techniques of Social

Research, Himalaya Publishing House, Mumbai, Indian

3. Goode,W.J. and Hatt, P.K. (2006) Methods in Social Research, Surjeet Publications, New Delhi, India

4. Kothari, C.R.,(2009) Research Methodology, Methods and Techniques, 2nd Revised Edition by new Age International Pvt. Ltd., Daryaganj, New Delhi, India

5. Lund beg, George, (1951) Social Research , Green and Company New York, USA

6. Nehru, R.S.S. and Suryanarayan , N.V.S., (2012) Research Methodology, APH Publishing Ci corporation , Delhi , India

7. Saravanavel, P., (1987) Research Methodology, Kitad Mahal, Allahabad, India

8. Singh, Jaspal,(1994) Introduction to Methods of Social Research , Sterling Publications New Delhi, India

9. Young,P.V.,(1968) Scientific Social Survey and Research, Printice Hall Publication, New Delhi, India

10. आहूजा, राम,(2005) रिसर्च मेथड्स, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर

11. बघेल, डी.एस., सामाजिक अनुसंधान, साहित्य पब्लिकेशन्स, आगरा

12. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी.डी.,(2007) समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

13. मुकर्जी, रवींद्रनाथ, (1978) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, सरस्वती सदन, दिल्ली

14. मुकर्जी, रवींद्रनाथ (2019) सामाजिक शोध व सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन 7 यू.ए.जवाहर नगर नई दिल्ली

15. सिंह कृपाल 2010 सामाजिक अनुसंधान – भारत बुक सेंटर अशोक मार्ग लखनऊ,

16. महाजन एवं महाजन अनुसंधान की पद्धतियां विवेक प्रकाशन जवाहर नगर दिल्ली

Suggestive digital platforms web links:

https://tourism.mp.gov.in/

https://www.india.gov.in/topics/travel-tourism

https://www.iittm.ac.

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन प्लेटफॉर्म : IGNOU& Others centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ :		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ: अधिकतम अकः 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंकः 70		
आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लास टेस्ट असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण	15 15 कुल अंकः 30
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : 75 समय– 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग(ब) : लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग(स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंकः 70
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय

कार्यक्रम : डिप्लोमा पाठ्यक्रम	कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्षः द्वितीय	वर्ष : 2022–23

विषय : समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	EUA2-SOCI-2T
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, द्वितीय प्रश्न–पत्र
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / एलेक्टिव / वोकेशलन / ....)	मूल (कोर) पाठ्यक्रम
4	पूर्वापेक्षा (prerequisite) (यदि कोई हो)	यह एक अनिवार्य प्रश्न–पत्र है, जो कि बी.ए. द्वितीय वर्ष के उन सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने बी.ए. प्रथम वर्ष में समाजशास्त्र के कोर (मूल) प्रश्न–पत्र पढ़े हैं।
5	पाठयक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	समाजिक परिवर्तन अपरिहार्य हैं, अतः परिवर्तन के बोध के बिना मानव समाज का ज्ञान अधूरा है। इस पाठ्यक्रम की रचना विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन एवं समाज पर इसके सर्वांगीण विकास के बारे में विस्तृत ज्ञान प्रदान करने के लिए की गयी है: 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा, विभिन्न कारक, प्रक्रियाओं एवं सिद्धांतों से परिचित करायेगा। 2. यह पाठ्यक्रम विकास की अवधारणा एवं इसके परिणामों का भी ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा। 3. सरकार की विभिन्न नीतियों, उपक्रम, उनका क्रियान्वयन एवं उत्पन्न होने वाली समस्याओं का आलोचनात्मक योगदान विद्यार्थियों को एक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

		4. इस पाठ्यक्रम में निहित ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थी नियोजन एवं विकास सम्बन्धी विभागों में, परिवर्तन एवं विकास के माध्यमों के रूप में कार्यशील गैर सरकारी संगठनों में, परियोजना सम्बन्धी कार्य करने वाले विभिन्न शोध संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सफल होंगे।	
6.	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक–06	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– टयूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : 6 L-T-P:6-0-0

इकाई.	शीर्षक	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	**भारत में सामाजिक परिवर्तन** 1. सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा 2. सामाजिक परिवर्तन के स्वरूप 2.1 उद्विकास एवं क्रांति 2.2 प्रगति एवं विकास 3. सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत	18
सार बिन्दु : सामाजिक परिवर्तन, उद्विकास, क्रांति, प्रगति, विकास, सामजिक परिवर्तन के सिद्धांत		
द्वितीय	**सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ** 1. संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण 1.1 अवधारणा 1.2 संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण– अनुकूलन में सहायक दशाएं 2. औद्योगीकरण, नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण 2.1 अवधारणा 2.2 भारतीय समाज एवं संस्थाओं पर प्रभाव 3. उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण एवं सूचना क्रांति 3.1 अवधारणा 3.2 भारतीय समाज पर प्रभाव	18

	4. सामाजिक आंदोलन 4.1 अवधारणा 4.2 सामाजिक परिवर्तन में सामाजिक आंदोलन की भूमिका	
सार बिन्दु : संस्कृतिकरण, नगरीकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण, सामाजिक आंदोलन, सूचना क्रांति, औद्योगीकरण		
तृतीय	**भारत में सामाजिक विकास** 1. सामाजिक विकास 1.1 अवधारणा 1.2 सामाजिक विकास के संकेतक 2. सामाजिक विकास के अभिकरण 2.1 राज्य 2.2 गैर सरकारी संगठन 2.3 बाजार 3. विकास की बदलती अवधारणा 3.1 परम्पराओ मे परिवर्तन 3.2 उपभोक्तावाद 3.3 उपभोगी समाज 4. सतत विकास 4.1 अवधारणा 4.2 सतत विकास के मूल तत्व 4.3 सतत विकास के संकेतक 4.4 सतत विकास के लक्ष्य (SDG) 4.5 सतत विकास का महत्व	18
सार बिन्दु : सामाजिक विकास, आर्थिक विकास, मानव विकास, सतत विकास, सतत विकास के लक्ष्य, उपभोक्तावाद, उपभोगी समाज		

चतुर्थ	**भारतीय समाज में विकास की चुनौतियां** 1. सामाजिक– संस्कृति एवं आर्थिक चुनौतियां 2. विकास एवं पर्यावरणीय समस्याएँ 3. विकास के भारतीय अनुभव 3.1 सर्वोदय 3.2 भूदान 3.3 चित्रकूट मॉडल 3.4 श्वेत क्रांति 4. नियोजन 4.1 नियोजन की अवधारणा 4.2 नियोजन के प्रकार 4.3 नियोजन की विधियां 4.4 भारत में पंचवर्षीय योजनाएं 4.5 पंचवर्षीय योजनाओं का समाजशास्त्रीय विश्लेषण	18
सार बिन्दु : विकास की चुनौतियां, सांस्कृतिक चुनौतियां, आर्थिक चुनौतिया, सर्वोदय, भूदान, चित्रकूट मॉडल, श्वेत क्रांति, पर्यावरणीय समस्याएं, नियोजन की विधियां		

पंचम	**सामाजिक नीतियाँ एवं कार्यक्रम** 1. सामाजिक नीति 1.1 अवधारणा 1.2 आवश्यकता 1.3 सामाजिक नीति एवं विकास 2. सामुदायिक विकास कार्यक्रम 2.1 अवधारणा 2.2 उद्देश्य 2.3 कार्यक्रमों का क्रियान्वयन 2.4 अनुवीक्षण (निगरानी) 2.5 मूल्यांकन 2.6 भारत के सामाजिक विकास में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का योगदान 3. नीति आयोग 3.1 संरचना 3.2 कार्य	18
सार बिन्दु : सामाजिक नीति, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, अनुवीक्षण, नीति आयोग		

भाग स– अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Abraham, M. Francis, contemporary Sociology: An Introduction to Concept and Theories, Oxford University Press, New Delhi 2010
2. Harrison, D. The Sociology of Modernization & Development, sage Publication, New Delhi 1989
3. Julian H. Steward, Theory of Culture change, University of Illinois press, Umrbana 1955
4. Kuppuswamy, B. Social Change in India, Konark Publishers pvt. Ltd., New Delhi 2010
5. Moor, Wiibert & Robert cook, Social Change, Prentice Hall New Delhi 1967
6. Ogburn,W.F. Social Change New York 1992
7. Rao, Shankar C.N. Sociology, S Chand and Company Limited New Delhi 2019
8. Sharma, S.L. Development, Socio-Cultural Dimension, Rawat Publications,

Jaipur 1980
9. Srinivas,M.N. Social Change in Modern India, University of Berkley 1966
10. Singh, Yogendra, Moderniation of Indian Tradition. Rawat Publication Jaipur 2009
11. Sorokin, P.A. Social and cultural Dynamics poster Sargent, Boston, 1957
12. Tinbergon, J.A. Capitalism, socialism and Democracy, Allen and unwin 1943
13. Gunnar Myrdal C.F. Asian Drama, The Penguin Press 1968
14. आहूजा, राम, भारतीय सामाजिक व्यवस्था रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008
15. आलोक कुमार, पर्यावरण एवं पर्यावरणीय संरक्षण, सबलाइम पब्लिकेशन, जयपुर 2007
16. गुज्जर, राम कुमार, पर्यावरणीय समस्याएं पोइंटर पब्लिशर्स जयपुर 2000
17. गुप्ता, एम.एल.एवं शर्मा, डी.डी. समाज शास्त्र साहित्य भवन पब्लिकेशन 2010
18. प्रसाद, गोपी कृष्ण. विकास का समाजशास्त्र रावत पब्लिकेशन 1999
19. सिंह, आनंद प्रकाश, नगरीय समाजशास्त्र यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन नई दिल्ली 2007
20. शर्मा के.एल. भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन, रावत पब्लिकेशन जयपुर 2006
21. शर्मा, रामनाथ, शर्मा, राजेंद्र कुमार, केदारनाथ रामनाथ मेरठ 1988
22. सिंह, योगेंद्र, भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण, रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008
23. मदन जी.आर परिवर्तन व विकास का समाजशास्त्र विवेक प्रकाशन दिल्ली

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन वेब लिंक :
https://nptel.ac.in.
https://swayam.gov.in/explorer

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन प्लेटफार्म :
IGNOU& Other centrally/state operated Universities
MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द – आकलन एवं मूल्यांकन

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ:
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : 30	क्लास टेस्ट	15
	असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण	15
		कुल अंक : 30
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा : 70 समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग(ब) : लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग(स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 70

कोई टिप्पणी / सुझाव

FORMAT FOR SYLLABUS OF SOCIOLOGY

PART- A Introduction

Program : Diploma	Class : B.A.	Year : II Year	Session : 2022-23

Subject: Sociology

1.	**Course Code**	**A2-SOCI-1T**	
2.	**Course Title**	**Basic Concept of Social Research**	
3.	**Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/...)**	**Core Course**	
4.	**Pre-requisite (if any)**	**To study this course, a student must have had Completed B.A. I year certificate course in Sociology.**	
5.	**Course Learning outcomes (CLO)**	This question paper will help students to develop research intuitions! Through this question paper, they will get to know the nature of the scientific method and ways to achieve value neutrality. 1. This question paper will teach students about the importance of reality and ways to collect objective and reliable information. 2. It will develop the skills of reading, writing and reasoning in them. 3. The design of this question paper will introduce students to the scientific study of social phenomena With this course, students will get many employment opportunities in academic, basic and policy related research projects conducted by government and non-government institutions.	
6.	**Credit Value**	4	
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 30+70	Min. Passing Marks : 33

Part-B Content of the Course		
Total No. of Lectures- Tutorials- Practical (in hours per week): L-T-P:		
Units	**Topics**	**No. of Lectures**
I	**Social Research and Survey** 1. Emergence of Social Research in India 2. Concept of Scientific Method 3. Interdisciplinary approach 4. Social Research and Nature 4.1. Concept and Objectives 4.2. Types 4.3. Steps of Social Research 4.4. Importance 5. Social Survey 5.1. Concept and Importance 5.2. Types 5.3. Difference between Social Research and Social Survey 6. Hypothesis 6.1. Concept 6.2. Sources of Hypothesis 6.3. The difficulties of Constructing the Hypothesis 6.4. Importance 7. Indians Premier Social research and Survey Institute 7.1. New Dimensions of Social Research	18
Suggested Readings: Social Research, Scientific methods, Social Survey, Hypothesis, Inter disciplinary		
II	**Methods and Techniques of Data Collection** 1. Data 1.1. Concept and Importance 1.2. Types 1.3. Sources : Primary and Secondary 2. Methods and Techniques of Data Collection 2.1. Computation methodology : Concept 2.2. Sampling methods 2.2.1. Concept	18

	2.2.2. Types of Sampling 2.2.3. Use and Limitations 3. Questionnaire 3.1. Concept and Features 3.2. Types 3.3. Questionnaire Construction 3.4. Usefulness and Limitations 4. Schedule 4.1. Concept 4.2. Types 4.3. Use and Limitations 4.4. Difference In Questionnaire and Schedule	
Suggested Readings: Data, Method of Calculation Sampling, Questionnaire, Interview Schedule		
III	**Methods and Techniques of Data Collection** 1. Observation 1.1. Concept 1.2. Types 1.3. Usefulness and Limitations 2. Interview 2.1. Concept 2.2. Types 2.3. Use and Limitations 3. Individual Study Methods 3.1. Concept 3.2. Basic Assumptions 3.3. Tools and Methods of Case study Methodology 3.4. Usefulness and Limitations 4. Sociometry 4.1. Concept 4.2. History 4.3. Usefulness and Limitations 5. Content Analysis 5.1. Concept	18
Suggested Readings: Observation Interview, Case Study, Methods, Sociometry, Content Analysis		

IV	**Data analysis and Interpretation** 1. Assumptions of Objectivity, reliability and accuracy 2. Concept of editing notation and classification 3. Tabulation 3.1. Concept 3.2. Tabulation Rules 3.3. Types of Tabulation 3.4. Usefulness and Limitations 4. Report Writing 4.1. Concept 4.2. Contents and Steps of Report writing 4.3. Problems of Report Writing 4.4. Importance	18
Suggested Readings: Objectivity, Reliability, Validity Notation, Classification, Tabulation		
V	1. Concept of Statistics 2. Usefulness and Limitations of Statistics in Social Research 3. Measure of Central 3.1. Concept 3.2. Importance 4. Mean, Medium, Mode 4.1. Concept 4.2. Calculation 4.3. Practical Uses 4.4. Merits and Demerits 5. Graphical Display of Data 5.1. Rules of Diagram Composition 5.2. Types of Diagram 5.3. Use and Limits of Diagram 6. Use of Computer in Social Research 7. SPSS – Introduction	18
Suggested Readings: Statistics, Diagram, Mean, Medium, Mode, SPSS		

Part C- Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

1. Bajpai, S.R., Social Research and Survey, (4th Edition), Kitab Ghar, New Delhi, India
2. Bhandrakar, P.L. and Wilkinson,T.S. (2003) Methodology and Techniques of Social Research, Himalaya Publishing House, Mumbai, Indian
3. Goode,W.J. and Hatt, P.K. (2006) Methods in Social Research, Surjeet Publications, New Delhi, India
4. Kothari, C.R.,(2009) Research Methodology, Methods and Techniques, 2nd Revised Edition by new Age International Pvt. Ltd., Daryaganj, New Delhi, India
5. Lund beg, George, (1951) Social Research , Green and Company New York, USA
6. Nehru, R.S.S. and Suryanarayan , N.V.S., (2012) Research Methodology, APH Publishing Ci corporation , Delhi , India
7. Saravanavel, P., (1987) Research Methodology, Kitad Mahal, Allahabad, India
8. Singh, Jaspal,(1994) Introduction to Methods of Social Research , Sterling Publications New Delhi, India
9. Young,P.V.,(1968) Scientific Social Survey and Research, Printice Hall Publication, New Delhi, India
10. आहूजा, राम,(2005) रिसर्च मेथड्स, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर
11. बघेल, डी.एस., सामाजिक अनुसंधान, साहित्य पब्लिकेशन्स, आगरा
12. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी.डी., (2007) समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
13. मुकर्जी, रवींद्रनाथ, (1978) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, सरस्वती सदन, दिल्ली
14. मुकर्जी, रवींद्रनाथ (2019) सामाजिक शोध व सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन 7 यू.ए.जवाहर नगर नई दिल्ली
15. सिंह कृपाल 2010 सामाजिक अनुसंधान – भारत बुक सेंटर अशोक मार्ग लखनऊ,
16. महाजन एवं महाजन अनुसंधान की पद्धतियां विवेक प्रकाशन जवाहर नगर दिल्ली

Part D- Assessment and Evaluation (Theory)

Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks: 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30, University Exam (UE) 70

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30	Class Test, Assignment/Presentation	Total 30
External Assessment: University Exam Section: 70 Time: 03.00 Hours	Section (A): Objective Type Section (B): Short Questions Section (C): Long Questions	
Total 70		

FORMAT FOR SYLLABUS OF SOCIOLOGY

PART- A Introduction

Program : Diploma	Class : B.A.	Year : II Year	Session : 2022-23

Subject: Sociology

1.	**Course Code**	**A2-SOCI-2T**
2.	**Course Title**	**Social Change and Development**
3.	**Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/...)**	**Core Course**
4.	**Pre-requisite (if any)**	**To study this course, a student must have had Completed B.A. I year certificate course in Sociology.**
5.	**Course Learning outcomes (CLO)**	Social change is inevitable, so the knowledge of human society is incomplete without the realization of change. This course has been designed to provide students with detailed knowledge about social change and its all-round development on society: 1. The course presented will introduce the students to the concept of social change, various factors, processes and principles. 2. This course will also provide knowledge to the students about the concept of development and its consequences. 3. Critical contribution of various policies, undertakings, their implementation and problems arising out of the government will provide an insight to the students. 4. Through the knowledge contained in this course, students will be able to get employment opportunities in planning and development related departments, in NGOs working as a means of change and development, in various research institutes doing project related work.

6.	**Credit Value**	4	
7.	**Total Marks**	Max. Marks : 30+70	Min. Passing Marks : 33

Part-B Content of the Course

Total No. of Lectures- Tutorials- Practical (in hours per week):
L-T-P:

Units	Topics	No. of Lectures
I	**Social Change in India** 1. Concept of Social Change 2. Forms of Social Change 2.1. Evolution and Revolution 2.2. Progress and Development 3. Theories of Social Change	18
Suggested Readings: Social Change, Evolution, Revolution, Progress, Development, Thories of Social Change		
II	**Process of Social Change** 1. Sanskritization and Westernization 1.1. Concept 1.2. Sanskritization and Westernization Conditions contributing to Adjustment 2. Industrialization, Urbanization and Modernization 2.1. Concept 2.2. Impact on Indian Society and Institutions Liberalization, Privatization, Globalization and Information Revolution 3. Liberalization, Privatization, Globalization and Information Revolution 3.1. Concept 3.2. Input on Indian Society 4. Social Movement 4.1. Concept 4.2. Role of Social Movement Social change.	18
Suggested Readings: Sanskritization, Urbanization, Westernization, Modernization, Globalization, Privatization, Liberalization, Social Movement, Information Revolution, Industrialization,		

III	**Social Development in India** 1. Social Development 1.1. Concept 1.2. Indicators of Social Development 2. Agencies of Social Development 2.1. States 2.2. N.G.O. (Non-Government Organization) 2.3. Market 3. Changing Concept of Development 3.1. Change in Traditions 3.2. Consumerism 3.3. Consumer Society 4. Continuous Development 4.1. Concept 4.2. Basic Elements of Continuous Development 4.3. Indicators of Continuous development 4.4. Continuous development Goals (SDG) 4.5. Importance of Continuous Development	18
Suggested Readings: Social Development, Economic Development, Human Development, Continuous Development, Continuous Development Goals, Consumerism, and Consumer Society.		
IV	**Challenges of Development in Indian Society** 1. Social Culture and Economic Challenges 2. Development and Environmental Problems 3. The Indian Experience of Development 3.1. Sarvodaya 3.2. Land Donation 3.3. Chhitrakoot Model 3.4. White Revolution 4. Planning 4.1. Concept of Planning 4.2. Kinds of Planning 4.3. Methods of Planning 4.4. Five year Plans in India. 4.5. Sociological Analysis of Five Year Plans.	18
Suggested Readings: Challenges of Development, Cultural Challenges, Economic Challenges, Sarvodaya, Land donations, Chhitrakoot model, Write Revolution, Environmental Problems, Methods of Planning		

V	**Social Policies and Programs** 1. Social Policy 1.1. Concept 1.2. Importance 1.3. Social Policy and Development 2. Community Development Program 2.1. Concept 2.2. Objectives 2.3. Implementation of Programs 2.4. Monitoring 2.5. Evolution 2.6. Community Development Programs in Social Development of India Contribution. 3. Policy Commission 3.1. Structure 3.2. Function	18
Suggested Readings: Social Policy, Policy Commission Community Development Program, Monitoring,		
Part C- Learning Resources		

Text Books, Reference Books, Other resources

1. Abraham, M. Francis, contemporary Sociology: An Introduction to Concept and Theories, Oxford University Press, New Delhi 2010
2. Harrison, D. The Sociology of Modernization & Development, sage Publication, New Delhi 1989
3. Julian H. Steward, Theory of Culture change, University of Illinois press, Umrbana 1955
4. Kuppuswamy, B. Social Change in India, Konark Publishers pvt. Ltd., New Delhi 2010
5. Moor, Wiibert & Robert cook, Social Change, Prentice Hall New Delhi 1967
6. Ogburn,W.F. Social Change New York 1992
7. Rao, Shankar C.N. Sociology, S Chand and Company Limited New Delhi 2019
8. Sharma, S.L. Development, Socio-Cultural Dimension, Rawat Publications, Jaipur 1980
9. Srinivas,M.N. Social Change in Modern India, University of Berkley 1966
10. Singh, Yogendra, Moderniation of Indian Tradition. Rawat Publication Jaipur 2009
11. Sorokin, P.A. Social and cultural Dynamics poster Sargent, Boston, 1957
12. Tinbergon, J.A. Capitalism, socialism and Democracy, Allen and unwin 1943
13. Gunnar Myrdal C.F. Asian Drama, The Penguin Press 1968
14. आहूजा, राम, भारतीय सामाजिक व्यवस्था रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008
15. आलोक कुमार, पर्यावरण एवं पर्यावरणीय संरक्षण, सबलाइम पब्लिकेशन, जयपुर 2007
16. गुज्जर, राम कुमार, पर्यावरणीय समस्याएं पोइंटर पब्लिशर्स जयपुर 2000
17. गुप्ता, एम.एल.एवं शर्मा, डी.डी. समाज शास्त्र साहित्य भवन पब्लिकेशन 2010
18. प्रसाद, गोपी कृष्ण. विकास का समाजशास्त्र रावत पब्लिकेशन 1999
19. सिंह, आनंद प्रकाश, नगरीय समाजशास्त्र यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन नई दिल्ली 2007
20. शर्मा के.एल. भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन, रावत पब्लिकेशन जयपुर 2006
21. शर्मा, रामनाथ, शर्मा, राजेंद्र कुमार, केदारनाथ रामनाथ मेरठ 1988.
22. सिंह, योगेंद्र, भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण, रावत पब्लिकेशन जयपुर 2008
23. मदन जी.आर परिवर्तन व विकास का समाजशास्त्र विवेक प्रकाशन दिल्ली

Part D- Assessment and Evaluation (Theory)

Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30, University Exam (UE) 70		
Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30	Class Test Assignment/Presentation	Total 30
External Assessment: University Exam Section: 70 Time: 03.00 Hours	Section (A): Objective Type Section (B): Short Questions Section (C): Long Questions	
Total 70		